संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-270 बुधवार,31 जुलाई 2024, पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपये

फाईल फोटो

बुलडोजर तो चलवा लिए...अब क्या हत्या भी करवाएंगे मंत्री जी...?

-रवि सिंह-

अम्बिकापुर/रायपुर 30 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। कमियां ना छपने पाएं...कमियां किसी को पता ना चल सके...लोगों का मसीहा अखबार ना बन सके...सिर्फ अखबार करें तो सिर्फ महिमा मंडन ही करते रहे...तब तक तो अखबार भी सुरक्षित और अखबार के साथ काम करने वाले भी सुरक्षित हैं और साथ ही अखबार के प्रतिनिधि भी सुरक्षित हैं और यदि इसके विपरीत गए तो कोई सुरक्षित नहीं कुछ ऐसा ही संदेश वर्तमान में प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार देने की कोशिक कर रही है, विष्णु देव साय सरकार के स्वास्थ्य मंत्री कोई अपनी उपलब्धियों से नहीं बने बने हैं वह बने हैं तो अखबारों की खबरों की वजह से क्योंकि अखबार ने सत्ता की कमी दिखा कर उन्हे कहीं न कहीं विजय दिलाने में मदद की है जिस वजह से जनता ने दूसरे को मौका दिया और आज वह विधायक और मंत्री हैं वहां अब जब उनकी कमियां अखबार दिखा रहा था तो उन्होंने अखबार पर बुलडोजर चलवाना ही जरूरी समझा अब सवाल यह उठता है की कमियां दिखाने के लिए उन्होंने बुलडोजर तो चलवा लिया शासकीय विज्ञापन भी रुकवा लिया अब क्या अखबार के संपादक और अखबार के प्रतिनिधि की हत्या भी करवाएंगे कुछ ऐसा ही चर्चा जनमानस में अब सुनने को मिलने लगा है क्या यही है भाजपा की सुशासन वाली सरकार हिंदुत्व वाली सरकार सनातनी सरकार?

इन छपी खबरों पर क्या राय है...आपकी मुख्यमंत्री जी....स्वास्थ्य मंत्री जी और जनसंपर्क अधिकारी आयुक्त जी....

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

कलम को कुचलने बुलडोजर का किया इस्तेमाल...फिर भी क्या कलम को कुचल पाए...या फिर अब कलम चलाने वाले पर ही बुलडोजर चलाएंगे ?

- दम है तेरे दमन में कितना...देखा है और देखेंगे....
- पिता के चिता की आग भी नहीं बुझी... और सरकार ने संपादक के व्यवसायिक परिसर पर चलाया बुलडोजर...
- दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान का असर...
- विष्णु का सुशासन नारा देने वाली सरकार का असली चेहरा उजागर...
- मानवता हुई शर्मसार...छुरी-लोटा लेकर बैठे दैनिक घटती-घटना अखबार के संपादक को हिंदू मान्यताओं के विरूद्ध आना पड़ा घटना स्थल...
- संपादक को क्रियाकर्म की अवस्था में देख होने लगी सरकार के कार्यवाही की निंदा...
- खुद के स्टॉफ और विभाग के खिलाफ छप रही कमियों को दबाने स्वास्थ्य मंत्री ने रचा षडयंत्र...

फाईल फोटो

फाईल फोटो

फाईल फोटो

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर,30 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। हिन्दू मान्यता के अनुसार यदि किसी घर में सदस्य का निधन हो जाए उस घर में अंतिम क्रिया कर्म तक मुखाग्नि देने वाले व्यक्ति को बाहर आने जाने की मनाही होती है, लेकिन प्रदेश में विष्णु का सुशासन नारा देने वाली सरकार के राज में वह मान्यता भी चूर-चूर हो गई,जब एक पुत्र द्वारा मुखाग्नि के चंद दिनों बाद ही सरकारी कार्यवाही के दौरान मजबूरन घटना स्थल पर जाकर बैठना पड़ा। पिता के चिता की आग भी अभी ठंडी नहीं पड़ी हो...उस पुत्र पर प्रदेश की सरकार ने ऐसा कहर बरपाया है... वह सिर्फ इसलिए कि एक अखबार के संपादक के नाते उनके द्वारा कलम बंद अभियान चलाया जा रहा है...। कलम बंद अभियान भी इसलिए की अखबार में छप रही वास्तविक खबरों को बंद कराने पहले विज्ञापन रोका जाता है,और उसके विरोध स्वरूप अखबार यह जानने की कोशिश करता है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री यह बतलाये कि आखिर किन खबरों का प्रकाशन किया जाए लेकिन इन सभी से प्रदेश के बाहुबली स्वास्थ्य मंत्री को इतनी तकलीफ हुई कि उन्होने पहले अपने विवादित भतीजे से अखबार के संपादक के कब्जे की जमीन को लेकर शिकायत कराई और आनन-फानन में उसे जमींदोज करने का षडयंत्र रच डाला लेकिन मंत्री जी...यह बिकाऊ कलमकार नहीं हैं...और ना ही आपके दमन से डरने वाले लोग हैं...। आज आपने व्यावसायिक परिसर जिसमें प्रेस कार्यालय भी है उसे उजाड़ा है। हो सकता है कल अपने शक्ति का उपयोग करते हुए घर भी उजाड़ने आ जाएं। लेकिन यह विदित हो कि जब तक संपादक सह अखबार के निडर पत्रकारों पर ही बुलडोजर नहीं चला दिया जाता...तब तक यह अभियान चलेगा...और पहले से ज्यादा तेज चलेगा...। दम है तेरे दमन में कितना देखा है और देखेंगे...।

अंतिम संस्कार के पांच दिनों में ही हुई कार्यवाही

घटती-घटना अखबार के संपादक अविनाश सिंह हैं उनके बीमार पिता का निधन विगत 24 जुलाई को ही अंबिकापुर में हुआ था ज्येष्ठ पुत्र होने के कारण संपादक अविनाश सिंह ने ही पिता के मृत शरीर को मुखाग्नि दी है। प्रदेश की विष्णु देव सरकार के द्वारा संपादक के नमनाकला स्थित व्यावसायिक परिसर को कब्जा का आरोप लगाते हुए रविवार को अलसुबह तोड़ने की कार्यवाही शुरू हुई। दो दिन पूर्व नोटिस दिया गया और परिस्थिति को देखते हुए संपादक के द्वारा समय की मांग की गई लेकिन उसे नहीं माना गया और अंततः मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के लिए व्यावसायिक परिसर को जमींदोज कर दिया गया। जिस संपादक पुत्र के पिता का निधन हुए अभी 13 दिन भी व्यतीत नहीं हुआ हो उस पर की गई कार्यवाही की अब सर्वत्र निंदा हो रही है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को दबाने के लिए प्रदेश सरकार का यह कदम निंदनीय है यह एक आम आदमी भी कह रहा है।

क्या चिता की आग को जवाब दे पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को यह बात अच्छी तरह से मालूम है कि इन दिनों अखबार के संपादक पितृशोक में हैं और उनके द्वारा ही मुखाग्नि दी गई है। यह सब कुछ जानते हुए भी प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने छप रही खबरों से क्षुब्ध और बदले की भावना से ग्रसित हो यह कार्यवाही कराई। सवाल धधक रहे हैं...कि जिस घर में शोक पड़ा हो...पुत्र अंतिम क्रियाकर्म कर रहा हो...और जिस पुत्र के पिता की चिता की आग अभी ठंडी भी ना पड़ी हो...उस पर इस प्रकार की कार्यवाही की गई है...। आवाज दबाने के लिए यह कार्यवाही पूरी योजना के साथ की गई। हिंदू मान्यता के आधार पर ही सवाल उठ रहे हैं...कि क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल उस चिता की आग को जवाब दे पाएंगे...क्या कि जिस पर पुत्र ने आग लगाई हो... वह तो अभी बुझी ही नही थी...कि आपने दमन का रूप अख्तियार कर लिया...। इतनी जल्दबाजी आखिर क्यों थी मंत्री जी...।

हिंदू मान्यताओं को तोड़ने सरकार ने किया विवश

हिंदू मान्यता के अनुसार किसी के निधन पर 10 वें दिन शुद्वि और 13 वें दिन ब्रम्हभोज सह शांति का कार्यक्रम संपन्न होता है। इस बीच मुखाग्नि देने वाले व्यक्ति को घर से बाहर आने जाने की मनाही होती है,लेकिन सरकार ने संपादक के पिता के निधन के पांचवे दिन ही रविवार को उनके व्यावसायिक परिसर को अवैध कब्जा बतलाते हुए तोड़ने का काम किया जबकि लगभग पिछले 35-40 वर्षो से वहां कब्जा बना हुआ है और मामला न्यायालय में चल रहा है। सरकार ने अखबार की आवाज दबाने के लिए यह कार्यवाही तो की लेकिन इससे सरकार ने हिंदू मान्यता को तोड़ने पर संपादक को विवश भी कर दिया। उस स्थल पर संपादक को कब्जाधारी होने के नाते आना भी जरूरी था,इसलिए उन्हें विवश होकर आना पड़ा। सरकार के नुमाइंदो ने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के इशारे पर संपादक को विरोध करने पर जेल भेजने की तैयारी भी कर डाली थी...लेकिन यह कलमवीर योद्वा है...जो नियम और कानूनों से अच्छी तरह से वाकिफ है।

फाईल फोटो

संपादक को शोकग्रस्त देख पसीजा लोगों का दिल

घटती-घटना अखबार के संपादक का व्यावसायिक परिसर नमना कला में स्थित है,और यहीं परिसर में प्रेस कार्यालय भी है। रविवार दिवस सरकारी दमन के दौरान अखबार के संपादक को अपने अन्य सामानों की सुरक्षा के मद्देनजर वहां आना आवश्यक था,इसलिए वे उसी वेषभूषा में वहां मौजूद थे जिस वेशभूषा को पहनकर अंतिम क्रिया कर्म किया जाता है। संपादक को छूरी-लोटा लेकर उस स्थल पर आने के लिए विवश करना इस सरकार का असली चेहरा भी उजागर करता है। संपादक को उस अवस्था में वहां मौजूद देखकर लोगों का दिल पसीज गया और लोगों ने सरकार के उक्त कार्यवाही की जमकर निंदा की।

अखबार के कलम बंद अभियान से हो रही सरकार की किरकिरी

उल्लेखनीय है कि घटती-घटना अखबार के द्वारा पिछले कई महीनों से स्वास्थ्य विभाग की कमियों का खबर किया जा रहा है। सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के साथ ऐसे-ऐसे अधिकारियों की टोली है जो कि विवादित हैं। ऐसे-ऐसे दलालों का साथ है जो कि संघ और खुद भाजपा के विरोधी रहे हैं। खुद स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम फर्जी मार्कशीट के आधार पर नौकरी कर रहे हैं। उनके द्वारा कोरोना काल मे जमकर एनएचएम के पैसे की बंदरबाट की गई। स्वास्थ्य का हाल ऐसा है कि विधायकों द्वारा विधानसभा में मुद्दा जोर-शोर से उठाया जा रहा है। इन्हीं सब बातों का प्रकाशन अखबार द्वारा किया जा रहा था जो कि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को पसंद नहीं आया तो उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज दबाने का नया रास्ता अपनाया। उनके द्वारा एक माह पहले अखबार को मिलने वाला विभागीय विज्ञापन बंद करा दिया गया। जिसके बाद अखबार ने यह पूछते हुए कलम बंद अभियान चला दिया कि अब प्रदेश के मुख्यमंत्री,स्वास्थ्य मंत्री और जनसंपर्क के मुखिया खुद यह बतायें कि आखिर किन खबरों का प्रकाशन किया जाए। अखबार द्वारा एक माह से कलम बंद अभियान जारी है,इस अभियान का मुद्दा विधानसभा सत्र में भी विधायक देवेन्द्र यादव ने उठाया। लगातार कलम बंद अभियान से प्रदेश सरकार की किरकिरी भी हो रही है जिसके बाद सरकार ने अखबार की आवाज दबाने के लिए ऐसा कदम उठाया है।

पहले कराई भतीजे से शिकायत फिर कार्यवाही

घटती-घटना अखबार द्वारा प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के तथाकथित भतीजे सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल के खिलाफ खबरों का प्रकाशन कर यह बतलाया जा रहा था कि किस प्रकार उनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग को दीमक की तरह चट किया जा रहा है,उनके कार्यशैली के कारण किस प्रकार स्वास्थ्य विभाग में आए दिन विवाद हो रहा है। यही नहीं उनके फर्जी डिग्री के बारे में भी खबरों का प्रकाशन किया जा रहा था। इससे स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा भी क्षुब्ध था, मंत्री ने मई महीने में अखबार के संपादक के उक्त व्यावसायिक परिसर के खिलाफ शिकायत कराई थी। विवादित भतीजे द्वारा शिकायत के बाद उक्त कार्यवाही से पहले सरकार ने नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबंटन/ व्यवस्थापन / फ्री होल्ड के संबंध में जारी निर्देश और परिपत्र को निरस्त करने का आदेश भी आनन-फानन में जारी किया। आदेश जारी होने के दिन ही संपादक को नोटिस जारी करने की तिथि अंकित की गई लेकिन संपादक को वह पत्र 26 जुलाई की शाम प्राप्त हुआ। तत्काल ही संपादक ने पत्र लिखकर समय देने की मांग की लेकिन उसे दरकिनार कर एक दिन बाद तोड़-फोड़ की कार्यवाही की गई।

व्यावसायिक परिसर तोड़ने स्वास्थ्य मंत्री ने रचा षडयंत्र

स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी तमाम कमियों के प्रकाशन से मंत्री श्यामबिहारी पहले से क्षुब्ध थे, इसके बाद कलम बंद अभियान शुरू किया गया। इस पर उनके तेवर और बदलते गए। सूत्रों का कहना है कि इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने खुद षडयंत्र रचते हुए अपने विशेष सहायक आशुतोष पांडेय को इस काम की जिम्मेदारी दी। सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय तक भी आधी-अधूरी जानकारी दिग्भ्रमित कर उन्हें विश्वास में लिया गया। जिसके बाद सरगुजा जिला प्रशासन को कार्यवाही के निर्देश जारी किए गए। कार्यवाही के दौरान प्रशासनिक तैयारी देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसकी तैयारी कई दिनों से की गई थी। इस दौरान कार्यवाही में शामिल अधिकारियों ने भी दबी जुबान से सीएम हाउस और स्वास्थ्य मंत्री के व्यक्तिगत रूचि होने की बात स्वीकारी।

क्या खुद को बाहुबली समझने लगे हैं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ?

माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी यह शांत प्रदेश है,भोले-भाले आदिवासी भाई-बहनों का प्रदेश हैं। जहां संस्कृति और संस्कारों का खासा महत्व है, ऐसे में आपने पितृशोक में पड़े संपादक के व्यावसायिक परिसर पर कार्यवाही कराकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को भी दबाने का कुत्सित और विफल प्रयास किया है। संभावना है कि आप खुद को एक मंत्री के रूप मे बाहुबली समझते होंगे लेकिन इतना सनद रहे कि वक्त की मार बहुत तगड़ी होती है,अभी आप पर पद और सत्ता का घमंड सर चढ़कर बोल रहा है। वक्त आने पर अखबार आपको आपके इस कदम का एहसास भी खुद कराएगा।

अब क्या खुद संपादक व सह पत्रकारों पर चलवाएंगे बुलडोजर ?

माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी...यह कलम की आवाज है जो दबेगी नहीं...आपने पितृशोक में व्यस्त एक पुत्र पर कहर बरपाया है... आपने कोशिश की है कि इससे अखबार की आवाज दब जाएगी...कमियों का प्रकाशन रूक जाएगा...लेकिन मंत्री जी... यह डरपोक और बिकाउ कलमकार नही हैं ...जो इस दमनपूर्वक कार्यवाही पर रूक जाएंगे...। शोक काल में आपने जो कदम उठाया है...वह सभ्य समाज में कतई स्वीकार नहीं है...। हमारा अभियान जारी रहेगा...और तीव्र गति से जारी रहेगा...। व्यावसायिक परिसर को अवैध कब्जा बतलाते हुए आपने तोड़वाने का काम तो कर दिया लेकिन इससे आवाज दबेगी नहीं इसके लिए आपको बाहुबली का परिचय देते हुए खुद संपादक और पत्रकार पर बुलडोजर चलाना पड़ेगा। आप यह कदम कितना जल्दी उठाते हैं यह संपादक सह पत्रकार को बेसब्री से इंतजार है।

प्रदेश की यह पहली घटना है जिसमें अखबार की आवाज दबाने का यह घटिया नमूना देखा गया

प्रदेश सरकार ने सरगुजा जिला प्रशासन के माध्यम से यह कार्यवाही कराई पूरे कार्यवाही की रचना स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने की। एक अखबार में छप रही खबरों से विभागीय कमियों को ठीक ना कर उल्टे अखबार को ही नेस्तनाबुद करने की यह कोशिश की गई है। जिसकी प्रदेश भर में निंदा हो रही है। लोगो का यह कहना है कि प्रदेश के इतिहास में यह पहली घटना है जिसमें कि अखबार की आवाज दबाने के लिए इस प्रकार का कृत्य किया गया है। यह घटिया नमूना इससे पहले कभी देखने को नहीं मिला।

क्या अन्य कब्जाधारियों के खिलाफ कार्यवाही की हिम्मत कर पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

खुद को बाहुबली समझने वाले प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से प्रत्यक्ष रूप से एक सवाल उठाना लाजमी है कि आपके द्वारा संपादक के व्यावसायिक परिसर को अवैध कब्जा बतलाते हुए तोड़वाया गया है। इस प्रदेश में और खासकर आपके विधानसभा में ही कब्जाधारियों की संख्या काफी अधिक है,क्या आप अन्य कब्जाधारियों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही करा पाएंगे या सिर्फ ओछी और निम्न स्तर की राजनीति का परिचय देते हुए आपने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को दबाने का काम किया है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 30 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

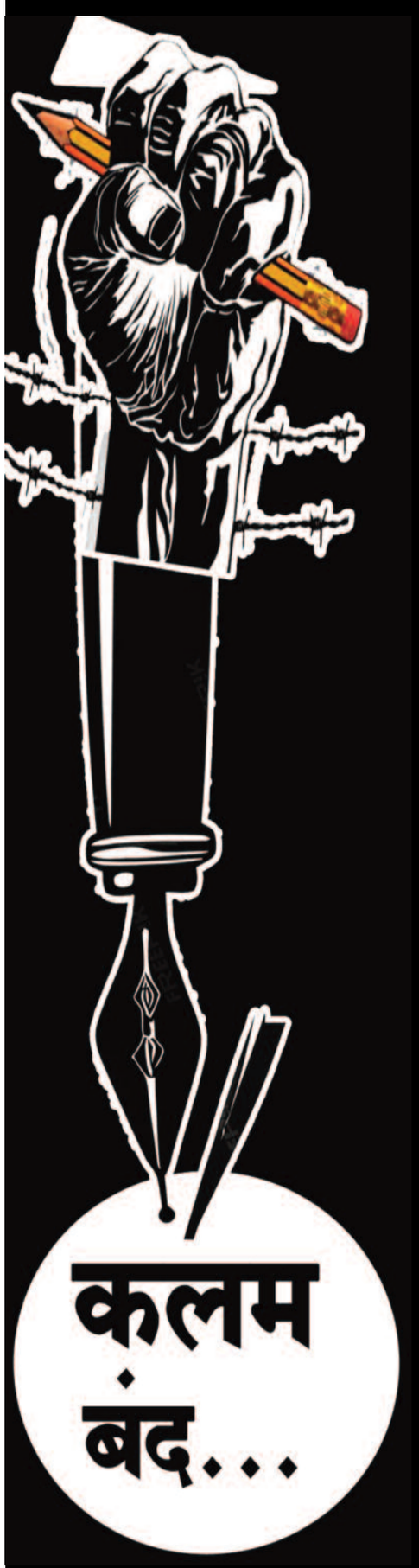

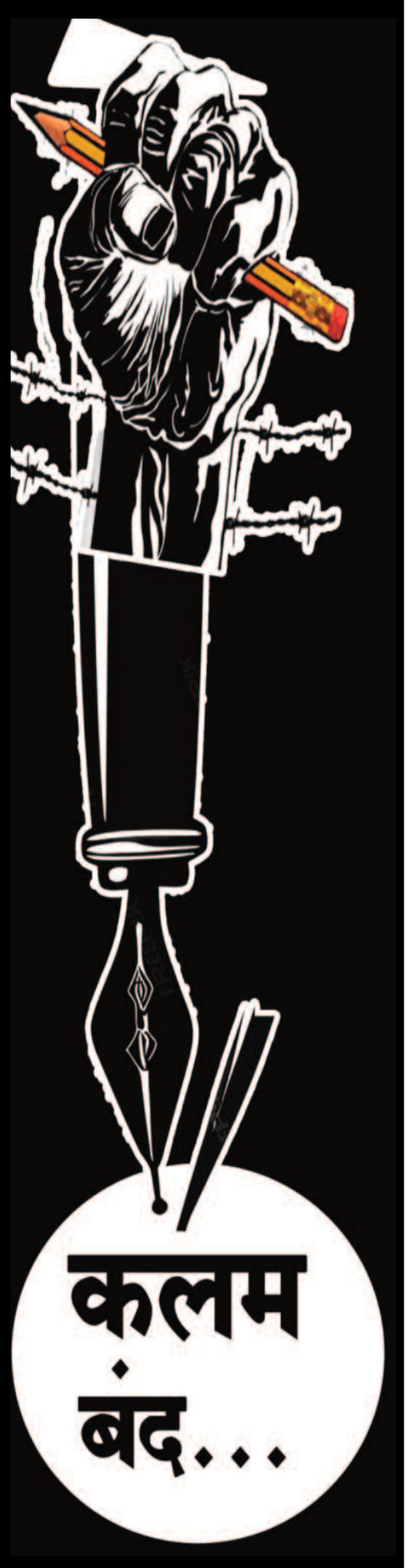

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,30 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

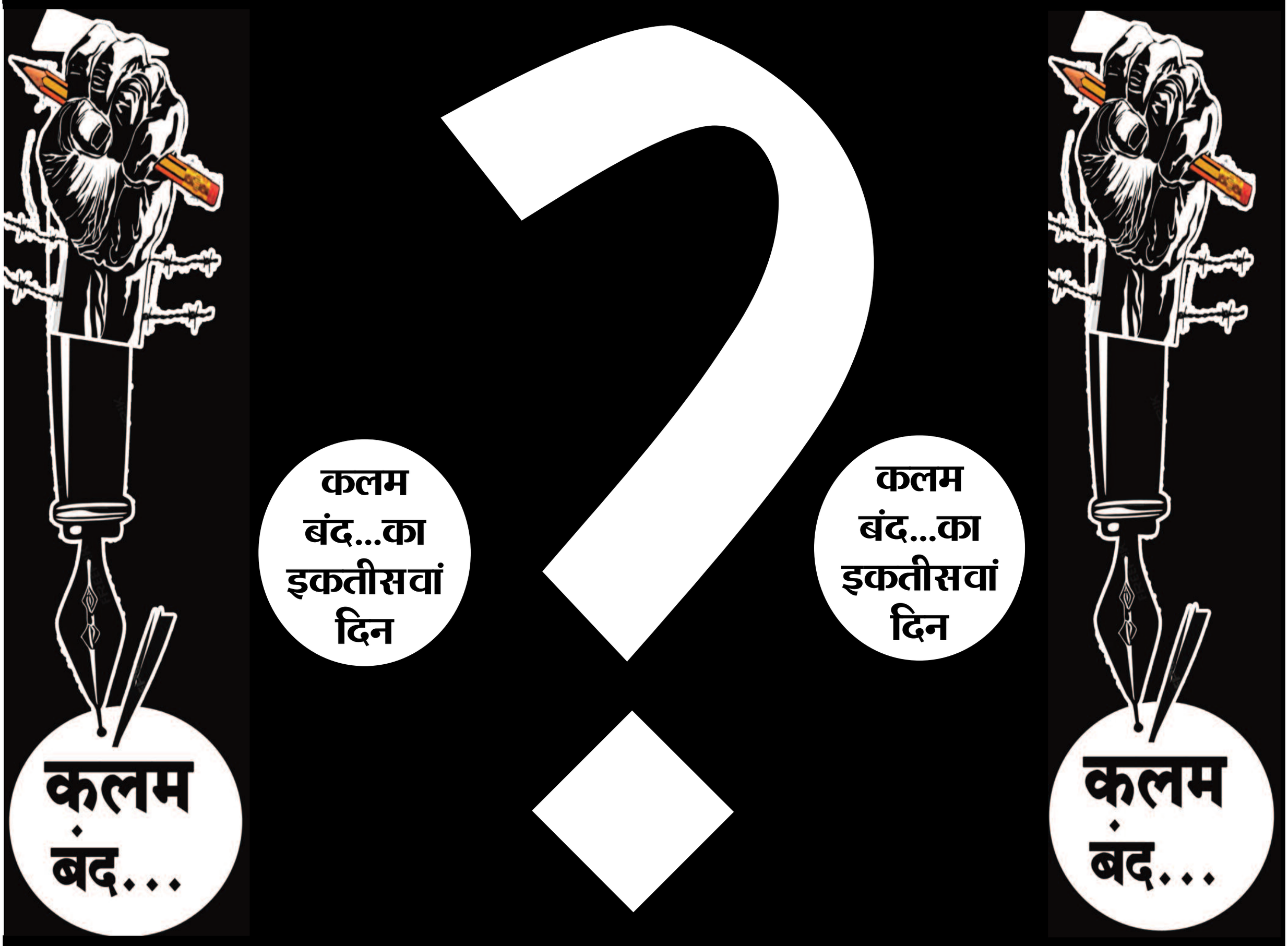

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,30 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

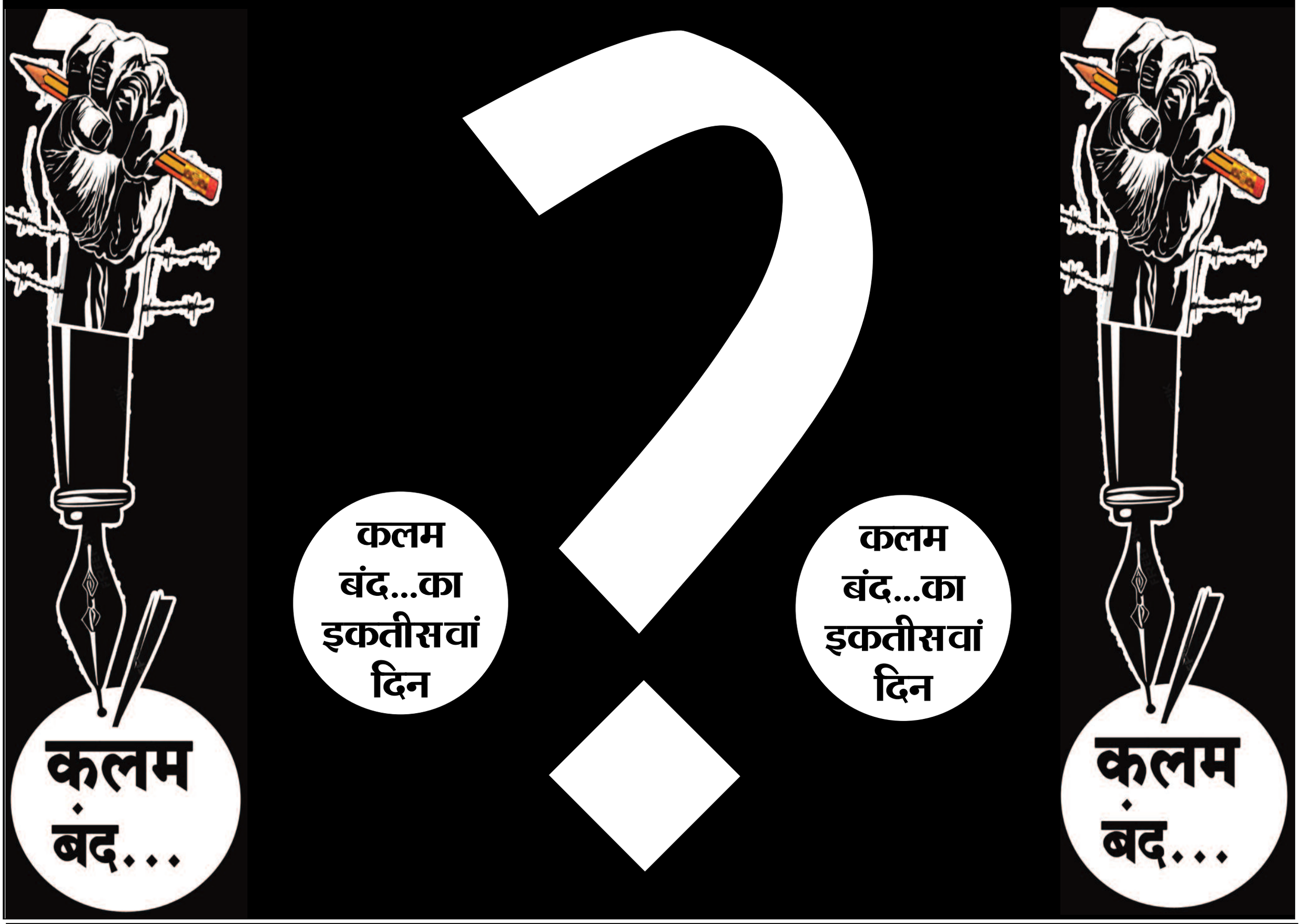

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 30 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

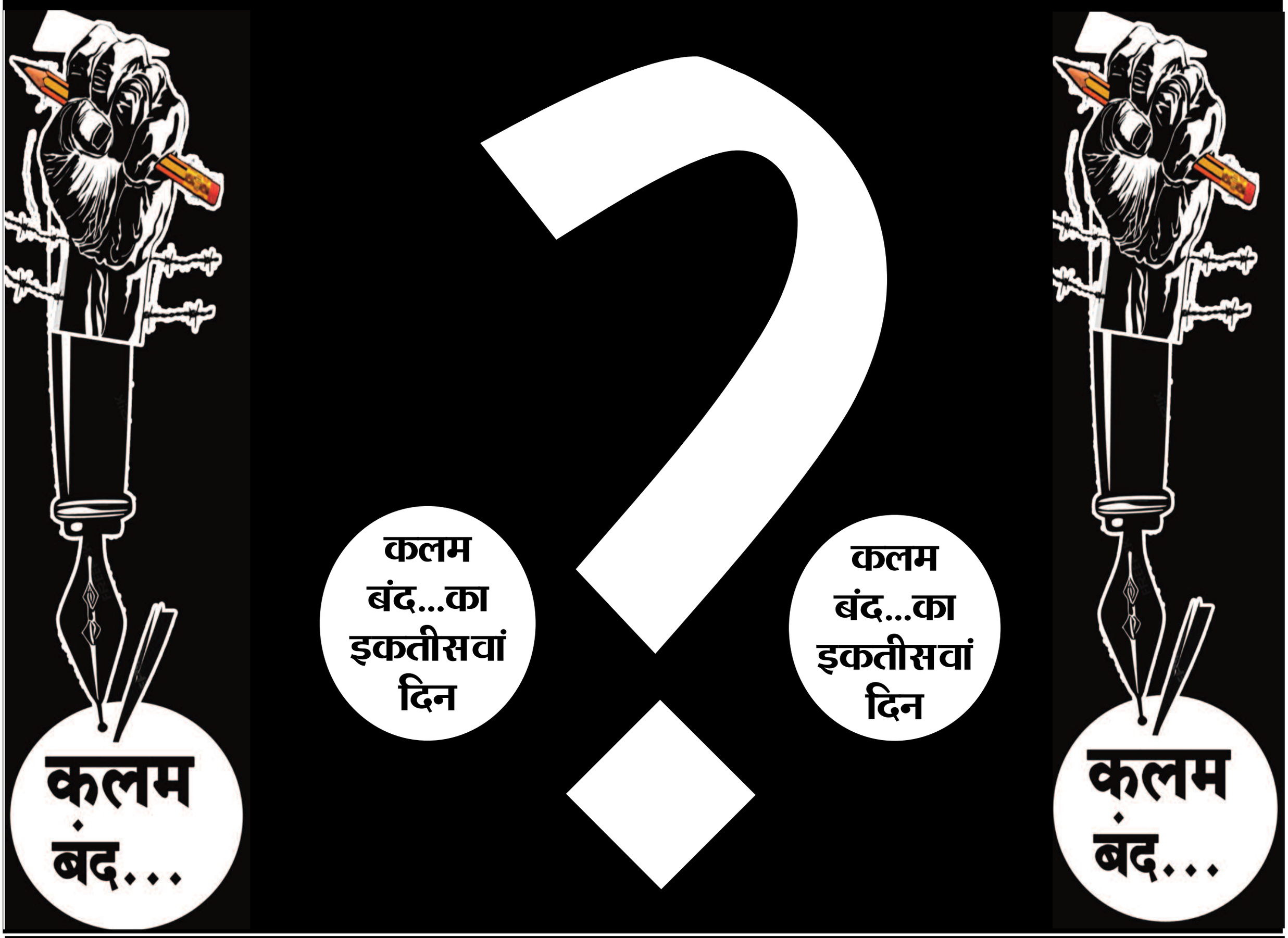

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संक्षिप्त खेल समाचार

इस शर्त पर आईपीएल 2025 में खेलेंगे एमएस धोनी

» बीसीसीआई पर टिका फैसला

नई दिल्ली,30 जुलाई 2024।आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बतौर कप्तान नहीं बल्कि एक खिलाड़ी के रूप में खेलते हुए दिखाई दिए थे। 2024 के आईपीएल से पहले धोनी ने कप्तानी का पद छोड़ दिया था और युवा रुतुराज गायकवाड़ को चेन्नई की कमान सौंपी गई थी। आईपीएल 2024 को काफी वक्त गुज़र चुका है, लेकिन इस बात को लेकर कुछ भी साफ नहीं हो पाया है कि माही अगले सीज़न में खेलेंगे या नहीं। अब सामने आई रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे धोनी का अगला आईपीएल खेलने का फैसला एक शर्त पर टिक गया है। माही के अगले सीज़न खेलने का फैसला बीसीसीआई पर टिकता हुआ दिख रहा है। अगर बीसीसीआई आईपीएल में टीमों को 5-6 खिलाड़ी रिटेन करने की इजाजत देती है, तभी धोनी का एक खिलाड़ी के रूप में खेलते रहना जारी रह सकता है।

शाहीन अफरीदी ने कप्तानी और यूसुफ के साथ विवाद पर दी सफाई

करांची,30 जुलाई 2024। पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़ी कई खबरें चर्चा का विषय बन जाती हैं। पिछले कई दिनों से सुर्खियों में छाए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि बाबर आजम की जगह शाहीन को पाकिस्तान का नया कप्तान बनाया जा सकता है। हालांकि, खुद शाहीन ने इन अफवाहों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने मोहम्मद यूसुफ के साथ विवादों पर भी खुलकर बात की है।

मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने रचा इतिहास

» भारत ने जीता एक और ब्रॉन्ज मेडल

पेरिस,30 जुलाई 2024। भारत के स्टार शूटर मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने पेरिस में खेले जा रहे ओलंपिक 2024 में इतिहास रचने का काम किया। मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने भारत के लिए एक और मेडल जीतने का काम किया है। अब भारत के इस ओलंपिक में कुल मिलाकर दो मेडल हो गए हैं। भारत के नाम अब तक चौथे दिन दो मेडल हो चुके हैं। 10 मीटर एयर पिस्टल के मुकाबले में भारत ने साउथ कोरिया पर जीत दर्ज की है। इतना ही नहीं भारत इस जीत के साथ ही मेडल टैली में अब 25वें नंबर पर आ गया है। इससे पहले भारत 26 स्थान पर था, यानी एक स्थान छलांग मारी गई है।

मनु भाकर और सरबजोत ने कोरिया की टीम को हराया

पेरिस ओलंपिक 2024 के चौथे दिन भारतीय दल ने एक और मेडल अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की है। इतना ही नहीं, भारत की शानदार शूटर मनु भाकर ने तो इतिहास रचने का काम किया है। आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब एक ही खिलाड़ी ने एक ही ओलंपिक में दो मेडल अपने नाम करने में सफलता हासिल की है। व्यक्तिगत स्पर्धा में पहले ही ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी मनु भाकर और उनके जोड़ीदार सरबजोत सिंह ने 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। भारत को मनु ने दूसरा मेडल दिला दिया है। मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गई।

दक्षिण कोरिया की जोड़ी को किया चारो खाने चित्त

भारत और कोरिया के बीच खेले गए इस मुकाबले में भारत की मनु भाकर ने संयम का परिचय दिया, जबकि सरबजोत सिंह ने आदर्श खिलाड़ी की भूमिका निभाई। इस जोड़ी ने ओलंपिक में दक्षिण कोरिया को हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 16-10 से हराकर देश को ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। ब्रिटिश-भारतीय एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर बाधा दौड़ में दो रजत पदक जीते थे, लेकिन यह उपलब्धि स्वतंत्रता-पूर्व युग में आई थी।

सरबजोत सिंह ने जीता पहला ओलंपिक मेडल

मनु भाकर के बारे में तो आप जान ही चुके हैं। उनका इस साल का ये दूसरा मेडल है। लेकिन उनके जोड़ीदार सरबजोत सिंह ने भी इतिहास रचा है। सरबजोत सिंह का ये पहला मेडल है। भले ही उनकी जोड़ीदार मनु रही हों, लेकिन सरबजोत ने भी जिस तरह से सटीक निशाना साधा, उससे भारत को जीत दर्ज करने में कामयाबी मिली है। इससे पहले भी सरबजोत सिंह अच्छा खेल दिखाते रहे हैं, लेकिन वे मेडल से चूक रहे थे, लेकिन इस बार उन्होंने कोई गलती नहीं की और आखिरकार भारत की झोली में एक और मेडल डालने का काम कर ही दिखाया।

मनिका बत्रा ने टेबल टेनिस में रचा इतिहास

» ओलंपिक के इस राउंड में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी

पेरिस,30 जुलाई 2024।ओलंपिक 2024 में भारतीय एथलीट काफी अच्छी प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि भारत ने अभी तक सिर्फ एक ही मेडल जीता है, लेकिन कई खेलों में भारत अच्छा करते आ रहा है और मेडल की पूरी उम्मीद जताई जा रही है। इसी कड़ी में भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने भी अपने शानदार प्रदर्शन के दमपर इतिहास रच दिया है। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में वर्ल्ड की 18वें नंबर की खिलाड़ी को हरा दिया। फ्रांस की इस खिलाड़ी को हराने के साथ उन्होंने राउंड ऑफ 16 यानी कि प्री क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वह ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी भी बन गई हैं। उन्होंने फ्रांस की पृथिका पावड़े पर 4-0 की आसान जीत दर्ज की है।

जीत के बाद बेहद खुश नजर आईं मनिका

29 वर्षीय मनिका ने शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा और भारतीय मूल की पृथिका पर 11-9 11-6 11-9 11-7 से जीत हासिल की। यह ओलंपिक इतिहास में किसी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी के लिए सबसे यादगार मैचों में से एक बन गया। मनिका टोक्यो ओलंपिक में 32वें राउंड तक पहुंची थीं और उन्होंने उस प्रदर्शन को और बेहतर किया। मनिका बत्रा ने इस ऐतिहासिक मुकाबले के बाद पीटीआई से बात करते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि मैंने पेरिस में एक फ्रांसीसी खिलाड़ी को हराया। मैंने एक उच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराया। मैंने इतिहास रचने और प्री-क्वार्टर में जगह बनाने के बारे में नहीं सोचा था, अभी और भी राउंड हैं, मैं मैच दर मैच आगे बढ़ती रहूंगी और हमेशा की तरह अपना बेस्ट दूंगी।

मनिका का खास प्लान

फ्रांस की खिलाड़ी के खिलाफ मनिका खास प्लान के साथ कोर्ट में उतरी थी। मनिका की प्रीथिका के बैकहैंड पर हमला करने की चाल बहुत कारगर साबित हुई, लेकिन मैच से पहले उन्होंने यह रणनीति नहीं बनाई थी। उन्होंने कहा कि मैंने अपने कोच के साथ चर्चा के अनुसार उसके फोरहैंड पर खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन मुझे उसके बैकहैंड पर अंक मिल रहे थे, इसलिए मैंने रणनीति नहीं बदली। मैंने उसके फोरहैंड पर भी कुछ शॉट खेले, मैं नहीं चाहती थी कि वह यह सोचे कि मैं केवल उसके बैकहैंड पर खेल रही हूं। यह एक कठिन मैच था। शांत रहने से मुझे कोर्ट के अंदर और बाहर दोनों जगह मदद मिलती है। मैं सांस लेने के व्यायाम करती हूं जो मैच के दौरान मेरी मदद करते हैं। अगले मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा कि अगले दौर में मैं जिसके खिलाफ भी खेलूंगी, मैं अपना बेस्ट प्रदर्शन करूंगी।

भारत की धरती पर 34 साल बाद होगा ये बड़ा टूर्नामेंट

» पाकिस्तानी टीम के आने की पूरी संभावना

नई दिल्ली,30 जुलाई 2024। वनडे एशिया कप 2023 का खिताब भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर जीता था। अब भारत पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा, जो 2026 में देश में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले होगा। एशियाई क्रिकेट परिषद ने इसकी घोषणा की है। बांग्लादेश 2027 में वनडे फॉर्मेट में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में वनडे विश्व कप खेला जाना है।

टूर्नामेंट में होंगे इतने मैच

भारत में टी20 फॉर्मेट और बांग्लादेश में 50 ओवर के फॉर्मेट में खेले जाने वाले एशिया कप में 13-13 मैच होंगे। एशिया कप का आयोजन भारत में 34 साल बाद होने जा रहा है। इससे पहले भारत में 1991 का पुरुष एशिया कप का आयोजन किया गया था। भारत में होने वाले एशिया कप में पाकिस्तानी टीम के आने की पूरी संभावना है। वनडे वर्ल्ड कप 2023 का आयोजन भी भारत में हुआ था। तब भी पाकिस्तानी टीम क्रिकेट खेलने भारत आई थी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने आईईओआई में जारी बयान में कहा कि पुरुष एशिया कप टूर्नामेंट' का मतलब एसीसी द्वारा नामित सदस्यों के बीच दो साल के अंतराल पर आयोजित होने वाला पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट। इसमें अफगानिस्तान, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश की टीमों और एसीसी के एक गैर टेस्ट खेलने वाले सदस्य की भागीदारी होगी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर रचा इतिहास

» बैडमिंटन में किया बड़ा कमाल

पेरिस,30 जुलाई 2024। सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी पेरिस ओलंपिक 2024 में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इन दोनों से ही भारतवासियों को मेडल की उम्मीद है। इन दोनों ने ही अपना पहला मुकाबला जीता था। फिर उनका मैच जर्मनी के मार्क लैम्सफस और मार्विन सेडेल था। लैम्सफस की चोट के कारण जर्मनी की जोड़ी पीछे हट गई। इसके बाद मैच रद्द कर दिया गया।

इस वजह से मिली क्वार्टर फाइनल में एंट्री

सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने 40वीं रैंकिंग वाले लुकास कोरवी और फ्रांस के रोनन लाबार के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इसके बाद कोरवी और लाबार की जोड़ी को इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान ने हराया है। इंडोनेशिया की जोड़ी के आगे फ्रांस की डबल्स जोड़ी टिक नहीं पाई और मुकाबला हार गई। इससे दो हार के बाद फ्रांस की जोड़ी बाहर हो गई है और चिराग-सात्विक को क्वार्टर फाइनल में जगह मिल गई है।

इंडोनेशिया की जोड़ी से होगा अगला मुकाबला

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन डबल्स जोड़ी बन गई। सात्विक और चिराग का ग्रूप में अभी एक मैच बचा हुआ है। जो वह इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान की जोड़ी से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करके सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल की बढ़िया तैयारी करना चाहेंगे। सात्विक और चिराग ने साल 2022 की शुरुआत में ही इंडिया ओपन का खिताब जीता था। वह थॉमस कप जीतने वाली विनिंग टीम का भी हिस्सा रहे हैं। उन्होंने भारत को थॉमस दिलाने में अहम योगदान दिया था। दोनों ही खिलाड़ी लंबे और ताकतवर हैं और दुनिया के किसी भी विरोधी प्लेयर को हराने की ताकत रखते हैं। सात्विक अपने बैक-कोर्ट गेम के लिए जाने जाते हैं, तो दूसरी तरफ चिराग गेम को अच्छी तरह से संभालते हैं। दोनों के पास कभी हार ना मानने वाला जज्बा है, जो उन्हें मुश्किल परिस्थियों से निकाल लेता है। पिछले कुछ समय से दोनों ही खिलाड़ी अच्छा कर रहे हैं। इन दोनों ही प्लेयर्स से भारत को गोल्ड मेडल की उम्मीदें हैं।

कोयला मंत्रालय द्वारा
5 स्टार रेटिंग प्राप्त खदान

RVUN
राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

पीईकेबी खदान, सरगुजा
(परसा ईस्ट कांता बासन खदान)

आओ चलें,
बेहतर कल की ओर...

शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण,
उद्यम और रोज़गार के साथ सामाजिक सरोकार भी

महिलाओं को व्यवसाय और उद्यमिता के क्षेत्र में बनाया आत्मनिर्भर

CBSE अंग्रेजी माध्यम स्कूल द्वारा मुफ्त सिक्षा

मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा एवं एम्बुलेंस सर्विस

हजारों स्थानीय रोजगार से फैली खुशहाली

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

उनको खुश करके मुझे फिल्में नहीं मिलेंगी

पपाराजी से झगड़े पर तापसी पन्नू की दो टूक,कहा-माफी नहीं मांगूंगी

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू को लोग दूसरी जया बच्चन कहते हैं। क्योंकि दोनों ही पपाराजी के साथ सही बर्ताव नहीं करते हैं। उनका पपाराजी के साथ अलग ही टशन देखने को मिलता है, जिसके कारण कई बार उनकी आलोचना भी होती है। अब एक्ट्रेस ने खुद ही बताया है कि उनका पैप्स से ऐसा रिश्ता क्यों है। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफर अपने फायदे के लिए उनके बयानों और वीडियो का गलत इस्तेमाल करते हैं।तापसी पन्नू ने एक इंटरव्यू में पपाराजी द्वारा लिए जाने वीडियोज और फोटोज पर कहा, आप कैसे क्लिक करोगे? मुझे बताइए अच्छई बातों पर कौन क्लिक करता है? आखिरी बार आपने किस अच्छी खबर पर क्लिक किया था? अब ये वाली खबर ज्यादा सनसनीखेज है। कहा जाता है कि वह पैप्स से गलत बर्ताव कर रही है। इसलिए हर कोई कहता है फिर कि अच्छा ऐसा क्या हो गया। अब तो देखना पड़ेगा। इसलिए यह ऑडियंस के लिए ज्यादा एक्साइटिंग हो जाता है।

तापसी पन्नू ने कहा कि वह मीडिया को खुश नहीं करेंगी

तापसी पन्नू ने आगे कहा, मुझे ये चीजें पिक्चर लाकर नहीं दे रही हैं। मेरी फिल्में खुद ही बोलती हैं। तो मुझे तथाकथित मीडिया के एक वर्ग को खुश करने की जरूरत नहीं है। मैं उन्हें डायरेक्ट मीडिया भी नहीं कहती क्योंकि वह अपना मतलब पूरा कर रहे हैं कि कोई तो उनके पोर्टल पर क्लिक कर दे।तापसी पन्नू ने आगे कहा कि पपाराजी को अच्छे से पता होता है कि वह कब एक्ट्रेस के एकदम करीब आते हैं या फिर उन पर चिल्लाते हैं या फिर उनकी कार का पीछा करते हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी चीज के लिए माफी नहीं मांगना चाहती हैं। वह एक सामान्य महिला हैं जो चाहती हैं कि वह उनकी निजता और उनकी फिजिकल स्पेस की इज्जत करें।

तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म

तापसी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली फिल्म हसीन दिलरुबा के सीक्वल में नजर आएंगी। और 15 अगस्त को खेल खेल में में अक्षय कुमार, विवेक ओबेरॉय स्टारर फिल्म का भी हिस्सा होंगी। फिलहाल वह पेरिस ओलंपिक्स में पति को सपोर्ट करने के लिए बहन के साथ रवाना हो गई हैं। इंस्टाग्राम स्टोरी में बहन शगुन के साथ फोटो भी पोस्ट की है।

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)